अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 30/01/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (1) किन्ही पाँच प्रश्नोंके उत्तर लिखिये ।
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र. 1 सा) इस वर्ष के कल्याण थाट के अंतर्गत आनेवाले राग में विलंबित ख्याल अथवा मसीतखानी गत पं. भातखंडे पध्दतीनुसार स्वरलिपीबध्द करें । (10)

(रे) राग मुलतानी या राग बहार का छोटा ख्याल या रजाखानी गत पं. पलुस्कर पध्दतीनुसार स्वरलिपीबध्द करें । (5)

प्र. 2 नीचे दिये हुए रागो में से किसी पाँच रागों की जानकारी, आरोह, अवरोह, पकड और प्रारंभिक दो आलापोंद्वारा लिखें । (3X5 =15)

i) हमीर ii) पुरीया iii) यमन iv) बिहाग
v) दरबारी कानडा vi) भूप vii) बागेश्री viii) केदार

प्र. 3 निम्नलिखित तालोंका संपूर्ण परिचय देकर उनके ठेके लयकारी सूचना नुसार लिखें । कोई भी तीन (किसी भी स्वरलिपी में लिखें) (5X3=15)

i) दीपचंदी (चौगुन) ii) आडा चौताल (चौगुन)
iii) धमार (दुगुन) iv) झूमरा (तिगुन)

प्र. 4 निम्नलिखित राग पहचानिये । (15)

i) ध॒ ध॒ सा, सा रे ग, रे रे ग, ग रे ध॒ सा ।

ii) नि॒ सा, ग॒ म, ग॒ म प, ग॒ म प नि, पनिधप, म ग॒ रे सा ।।

iii) गमप, गमप सां, नि॒पनि॒ पम॒ ग म ग, सा

iv) ग॒ म रे सा, नि॒ ध़ नि॒ सा, रे, प, ध नि॒ प, ग॒ म रे सा ।।

v) सा, ग॒ म ध नि॒ ध म, ग॒ म ग॒ रे सा, नि॒ ध़ नि॒ सा ।।

vi) सा रे म प ध, ध म रे, म रे सा ।।

vii) सा रे म ग रे, ग नि॒ सा, रे म प, ध म ग रे, नि॒ सा ।।

viii) सा म, म प, मं॑ प ध प, म, रे सा ।।

ix) ग॒ म नि॒ ध नि सां, सां, नि॒ ध नि॒ प, ग॒ म रे सा ।।

x) मं॑ रे॒ ग, नि॒ रे ग मं॑ प, प मं॑ ध॒ प, मं॑ ग, मंग रे॒ सा ।।

xi) सां ध प, ध ग प, ग प ध प ग॒ – रे सा, ग प ध॒, सां ।

xii) रे म प, प ध॒ म प सां, ध॒, म प ध॒, म प, ग॒ रे सा ।।

xiii) ग रे ग प ध नी सां

xiv) ग रे म ग, प मं॑ ध प, म ग, प, रे सा ।।

xv) नि॒ सा ध़ नि॒ रे, रे ग म ग, रे ग॒ रे सा ।।

प्र. 5 जोडियाँ मिलाइए । **(5)**

(सा)

i)	ललित कला	सम
ii)	हस्तमुद्राएँ	नाद
iii)	ताल की पहली मात्रा	काल
iv)	गायन उपयोगी आवाज	काव्य
v)	त्रिताल की नववी मात्रा	नृत्य

(रे) निम्नलिखित में सही या गलत पहचानें । **(5)**

i) तानों में स्वर रुक रुक के लेने चाहिए ।

ii) राग पुरीया का थाट पुरीया है ।

iii) दरबारी कानडा में गंधार धैवत और निषाद कोमल है ।

iv) राग भैरव यह भैरव थाट का राग है ।

v) राग शुध्द कल्याण, कल्याण थाट का राग है ।

(ग) रिक्त स्थानों की पूर्ती करें । **(5)**

i) जमजमा ये _____ का प्रकार है ।

ii) खमाज राग में _____ गीतप्रकार गाते है ।

iii) पखवाज _____ वाद्य है ।

iv) _____ ताल धृपद के लिए उपयुक्त है ।

v) आडा चौताल की _____ मात्राएँ है ।

प्र. 6 तानों के विभिन्न प्रकार और तानोंके उदाहरण सह लिखें । (15)

प्र. 7 (सा) आधुनिक आलाप गान के बारे में जानकारी दिजिये । (8)

(रे) प्राचीन आलाप गान की पध्दति की जानकारी दिजिये । (7)

प्र. 8 नीचे दिये हुए रागों की जोडियों मे से किसी तीन जोडियों की तुलना लिखे । (5X3 = 15)

i) तिलककामोद – देस

ii) पुरीया धनाश्री – पुरीया

iii) मारुबिहाग – बिहाग

iv) शुध्द कल्याण – भूप

v) हमीर – कामोद

प्र. 9 नीचे दिये हुए पर्यायों में से सही पर्याय लिखें । (15)

i) पं. भातखंडे स्वरलिपी में काल का चिन्ह कौनसा है ?
(सा) + (रे) o (ग) – (म) |

ii) दीपचंदी ताल की कितनी मात्राएँ हैं ।
(सा) 10 (रे) 12 (ग) 14 (म) 16

iii) राग पुरीया का संवादी स्वर कौनसा है ?
(सा) गंधार (रे) मध्यम (ग) धैवत (म) निषाद

iv) दुर्गा राग का थाट कौनसा है ?
(सा) बिलावल (रे) खमाज (ग) कल्याण (म) भैरव

v) नाद की कितनी विशेषताएँ है ?
(सा) 2 (रे) 3 (ग) 4 (म) 5

vi) यमन राग में कौनसा स्वर विकृत है ?
(सा) रे (रे) ग (ग) म (म) ध

vii) इनमें से कौनसा राग मौसमी राग है ?
(सा) मारुबिहाग (रे) सारंग (ग) बहार (म) शंकरा

viii) ठुमरीके लिए प्राय: कौनसा ताल बजाते है ?
(सा) एकताल (रे) रुपक (ग) दादरा (म) दीपचंदी

ix) कामोद राग का थाट कौनसा है ?
(सा) भैरव (रे) आसावरी (ग) कल्याण (म) पुर्वी

x) पं. पलुस्कर स्वर लिपी में काल का चिन्ह कौनसा है ?
(सा) + (रे) ० (ग) – (म) |

xi) व्हायोलीन वाद्य कौनसे प्रकार का वाद्य है ?
(सा) घन (रे) सुशीर (ग) वितत (म) अवनध्द

xii) एक सप्तक में कोमल तीव्र मिलाकर कितने सूर होते है ?
(सा) 9 (रे) 10 (ग) 12 (म) 14

xiii) भैरवी थाट का कौनसा राग है ?
(सा) मालकंस (रे) जौनपुरी (ग) शंकरा (म) भिमपलास

xiv) सात मात्राओंका ताल कौनसा है ?
(सा) तेवरा (रे) झपताल (ग) केहरवा (म) दादरा

xv) निचे दिये रागोंमें कौनसा राग संधीप्रकाश राग है ?
(सा) भूप (रे) पुरीया धनाश्री (ग) देसकार (म) हमीर

प्र. 10 नीचे दिये गए तीन गानप्रकारोंकी संक्षिप्त जानकारी लिखें। **(3 X 5=15)**

(सा) धृपद (रे) धमार (ग) तराना (म) टप्पा (प) ठुमरी